Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B. A. Philosophy (Semester: Second)

संस्कृत

संस्कृत–साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. गीता के प्रसिद्ध श्लोक "यदा–यदा हि धर्मस्य तथा परित्राणाय साधूनां" – इन दोनों श्लोकों का अभिप्राय स्पष्ट करें।
2. कठोपनिषद् में वर्णित "आत्मा का स्वरूप" श्लोक सहित समझाइये।
3. श्रेय तथा प्रेय मार्ग का विस्तार से वर्णन करें।
4. गीता के तृतीय व चतुर्थ अध्याय में 'यज्ञ' के विषय को किन्हीं दो श्लोकों के माध्यम से संक्षिप्त में यज्ञ की व्यापकता को स्पष्ट करें।
5. "नहि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत" – के अभिप्राय को श्लोक सहित विस्तार से समझाइये।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. "श्वोभावा मर्त्यस्य यदन्तकैतत्. .....।" के माध्यम से नचिकेता यमाचार्य से क्या कहना चाहता है? स्पष्ट करें।
2. "श्रेष्ठ अर्थात् आत्मज्ञानी योगी जिस प्रकार का आचरण करता है वैसा ही साधारण जन करने लग जाते हैं" इस अभिप्राय को सश्लोक समझाइये।
3. "नचिकेता" का क्या अर्थ होता है?
4. कठोपनिषद् में बताए गए शरीर, मन, आत्मादि का परस्पर क्या सम्बन्ध है?
5. "श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्" को स्पष्ट करें।
6. "स्वधर्मे निधनं श्रेयः" का क्या तात्पर्य है ?

खण्ड–स
(अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. गीता के तृतीय और चतुर्थ अध्याय में कितने श्लोक हैं ?
2. किसका आलम्बन सर्वश्रेष्ठ है?
3. महापाप्मा किसे कहा गया है?
4. सभी प्राणी किससे उत्पन्न होते है?
5. किसकी प्राप्ति के लिए योगिजन तप तथा ब्रह्मचर्य का पालन करते है?
6. कौन–सा मार्ग छुरे की तीक्ष्ण धार पर चलने के समान है।
7. कठोपनिषद कितने अध्याय तथा वल्लियों में विभक्त है?
8. वित्त से कौन तृप्त नहीं होता है?
9. लोक में कितने प्रकार की निष्ठाएं है?
10. यज्ञशिष्टाशिनः किससे मुक्त हो जाते है।

----------x----------